कृषि में विज्ञान एवं तकनीक अपनाएं सदाबहार क्रांति की ओर कदम बढ़ायें

"जय किसान जय विज्ञान" सप्ताह समारोह

23 से 29 दिसम्बर, 2015

सॉयल हेल्थ कार्ड :

किसानों को अपने खेत की मिट्टी की जांच करने और उसकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने व स्वस्थ मिट्टी सुनिश्चित करने में सक्षम बनाता है। 2017 तक सभी किसानों को सॉयल हेल्थ कार्ड मुहैया कराने के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध है।

प्रति बूंद, अधिक फसल :

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जल संचय व जल सिंचन द्वारा हर खेत को पानी।

लैब टू लैंड :

642 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा उन्नत तकनीकों का प्रसार व प्रदर्शन एवं 652 "आत्मा" संस्थानों द्वारा अनुंसधान व प्रसार का किसानों से जुड़ाव

मेरा गांव, मेरा गौरव :

20,000 कृषि वैज्ञानिकों द्वारा 25,000 गांवों में कृषक संपर्क व संवाद के माध्यम से प्रौद्योगिकी का प्रसार।

राष्ट्रीय कृषि बाज़ार :

किसानों को उनकी फसलों का उचित मूल्य दिलाने और कीमतों को नियंत्रित रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि बाज़ार स्थापित किए गए हैं।

डिजिटल कृषि :

एम–किसान पोर्टल–किसानों को उपयोगी जानकारी व परामर्श।

परम्परागत कृषि विकास योजना :

कृषक समूहों को संगठित कर सहायता व प्रोत्साहन।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन :

देशी गौ नस्लों के संरक्षण एवं विकास तथा एकीकृत मवेशी विकास हेतु नई परियोजना।

नीम कोटेड यूरिया :

नीम कोटेड यूरिया के प्रत्येक दाने के ऊपर नीम तेल की एक परत होती है जो कि यूरिया की मिट्टी में घुलन–शीलता धीमी कर देता है जिससे यूरिया में उपलब्ध नाइट्रोजन फसल को ज्यादा मात्रा में मिल पाती है।

नीली क्रांति :

नई तकनीकों व वित्तीय सहायता द्वारा मछुआरों का सामाजिक व आर्थिक विकास।

बागवानी के समेकित विकास हेतु मिशन :

फल–फूल व सब्जियों में उत्पादन व बाज़ार के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार।

राज्य सरकारें, कृषि विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान व सभी कृषि विज्ञान केन्द्र इस साप्ताहिक समारोह का आयोजन करें।

davp 65101/13/0023/1516

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार